आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–03 दिसम्बर 2024 सान्ध्य समाचार

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर आज प्रदेश के विभिन्न जिलों में कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी क्रम में लखनऊ के लोक भवन में आयोजित राज्यस्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्यांगों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने दिव्यांग शब्द और भावनाओं को सम्मान देकर उन्हें गरिमामयी पूर्ण तरीके से जीवन और हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की है। दिव्यांगजनों को जब भी अवसर मिला तो अपनी प्रतिभा से उन्होंने इस शब्द की पुष्टि की। मुख्यमंत्री ने ऋषि अष्टावक्र, महाकवि सूरदास, भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंस और जगतगुरू स्वामी रामभद्राचार्य समेत कई उदाहरण देते हुए कहा कि जिन्हें भी मंच और समाज का प्रोत्साहन तथा सम्बल मिला, उन्होंने देश–दुनिया और मानवता को अपनी प्रतिभा का लाभ दिया तथा यह साबित किया कि वे किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के अन्दर दो–दो दिव्यांग विश्वविद्यालय हैं तथा अलग–अलग क्षेत्रों के दृष्टिबाधित, मूकबधिर और अन्य बच्चों के लिये भी कॉलेज संचालित हैं लेकिन इनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है।

****

दो दिवसीय दौरे पर आज दोपहर बाद गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ताल नदौर क्षेत्र में निर्माणाधीन पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि महाविद्यालय और यहां प्रस्तावित इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के साथ ही कान्हा गोशाला को भी एक पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा इस क्षेत्र को विकास का एक नया मॉडल बनाने की है। श्री योगी ने पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय की डिजाइन, लेआउट और मॉडल का अवलोकन कर इसके प्रमुख आयामों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। लोक निर्माण विभाग के अफसरों ने मुख्यमंत्री को बताया कि इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के लिये एक सौ छः एकड़ क्षेत्रफल में प्रारम्भिक सर्वे का काम किया जा चुका है। अधिकारियों ने पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के बारे में बताया कि प्रथम चरण का निर्माण मार्च दो हजार छब्बीस में पूरा कर लिया जायेगा। पहले चरण के निर्माण पर दो सौ सतहत्तर करोड़ इकतीस लाख रूपये खर्च होंगे। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा किया जाए। दो सौ छानबे करोड़ रूपये की लागत से अस्सी एकड़ में बन रहे इस महाविद्यालय का निर्माण कार्य दो साल में पूरा करने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री कल महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारम्भ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर तथा विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य प्रोफेसर राजीव कुमार होंगे।

****

स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित हो रही काशी में आने वाले पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को सभी जरूरी जानकारियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाराणसी नगर निगम द्वारा काशी एप लांच किया जा रहा है। महापौर अशोक तिवारी और नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में संयुक्त रूप से इस एप का शुभारम्भ किया। ऐप की विशेषता बताते हुए श्री वर्मा ने कहा कि काशी एप से नगर निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली सारी सुविधाओं की जानकारी मिलेगी। साथ ही इसके जरिये ऑनलाइन पार्किंग टिकट भी प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि अभी एप का ट्रायल किया जा रहा है। जनवरी से इस एप को आम जनता को समर्पित कर दिया जायेगा।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महाकुंभ दो हजार पच्चीस के लिये अक्षय वट कॉरिडोर का शुभारम्भ करेंगे। श्री मोदी महाकुंभ की औपचारिक शुरूआत के लिये तेरह दिसम्बर को प्रयागराज आयेंगे। इसे लेकर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। प्रधानमंत्री ने वर्ष दो हजार उन्नीस के महाकुंभ मेला में अक्षय वट और सरस्वती कूप को आम श्रद्धालुओं के दर्शन के लिये खोला था। इस बार वह अक्षय वट कॉरिडोर का शुभारम्भ करेंगे। उधर, गंगा–यमुना के तट पर मौजूद अक्षय वट के पवित्र पत्ते दुनिया के सौ देशों तक पहुंचाये जायेंगे। इसके लिये अभी से राष्ट्रीय स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलायें काम कर रही हैं।

****

प्रदेश के समाज कल्याण विभाग के मंत्री असीम अरूण ने आज जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय राज्यस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन किया। लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में एक दिसम्बर से शुरू हुयी इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के चौरासी सर्वोदय विद्यालयों के बच्चों ने हिस्सा लिया, जिनमें छानबे छात्रायें और एक सौ अड़तालीस छात्र शामिल हैं। श्री अरूण ने प्रतियोगिता में सफल होने वाले छात्र–छात्राओं को पदक और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत खेलकूद को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। यही वजह है कि समाज कल्याण विभाग की ओर से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

****